5 दीये का अभिमान

पठन से पूर्व

कुछ लोगों को अपने कार्यों की महानता को लेकर बहुत घमंड होता है। वे सोचते हैं कि उनके द्वारा किया गया कार्य दूसरों से बहुत अच्छा है। फिर वे दूसरों को नीचा दिखाने लगते हैं। यह अच्छी बात नहीं है। घमंड करने का परिणाम बुरा होता है।

पाठ-परिचय

यह पाठ एक कविता है, जिसमें घमंड करने के दुष्परिणाम की जानकारी दी गई है। दीये को यह अभिमान हो जाता है कि वह सूरज और चंद्रमा से भी अधिक महान है। लेकिन जब हवा का एक हलका झोंका उसे बुझा देता है, तो उसका घमंड चूर-चूर हो जाता है।

चर्चा करें

बच्चों से पूछें कि इस संसार को कौन प्रकाशित करता है? वे कौन हैं, जो दिन में और रात में आकर हर जगह प्रकाश फैलाते हैं। प्रकाश फैलाने में दीपक की भूमिका की चर्चा करें। उनसे पूछें कि क्या सूर्य-चंद्र से दीपक की तुलना की जा सकती है।

जलते-जलते दीये को यह, हो आया अभिमान।
लगा सोचने-'सूर्य-चंद्र' से भी मैं अधिक महान।

सूरज तो करता है आकर, दिन में सिर्फ़ प्रकाश।
किंतु रात में अंधकार का, मैं ही करता नाश।

शशि भी मिटा नहीं पाता है, अंदर का अँधियार।
मैं ही घर के कोने-कोने को करता उजियार।

इस घमंड में सिर ऊँचा कर, लगा व्योम में दृष्टि।
अहंकार की आँखों से वह, देख रहा था सृष्टि।

इतने ही में लगा हवा का हलका झोंका एक।
सिर नीचा हो गया, बुझ गया, रही धुएँ की रेख।

सोचो, क्या आँधी-तूफ़ानों के भी सतत प्रयास।
बुझा सके रवि-शशि-नक्षत्रों का हैं कभी प्रकाश।

मिटा गया हलका-सा झोंका ही दीपक को एक।
और खिंच गई उसके मस्तक पर कलंक की रेख।

अहंकार का सदा जगत में, होता दुष्परिणाम।
करो बिना अभिमान तुम्हें जो कुछ करना हो काम।

–द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

मौखिक प्रश्न

1. अभिमान किसे हो गया था?
2. दीये का सिर नीचा कैसे हुआ?
3. अहंकार का सदा कैसा परिणाम होता है?

शब्दार्थ

अभिमान	=	घमंड, अहंकार (pride)
शशि	=	चंद्रमा (moon)
अँधियार	=	अंधकार, अज्ञान (darkness)
उजियार	=	उजाला, ज्ञान (brightness)
व्योम	=	आकाश (sky)
सृष्टि	=	दुनिया, जग (world)
सतत	=	लगातार, निरंतर (continuous)
नक्षत्र	=	ग्रह, तारे (stars)
कलंक	=	धब्बा, काला दाग (black spot, blemish)
रेख	=	रेखा, लकीर (line)
दुष्परिणाम	=	बुरा नतीजा, बुरा फल (bad result)

शब्द-भंडार

पर्यायवाची शब्द

सूर्य	-	रवि, भानु, दिनकर
प्रकाश	-	रोशनी, ज्योति, उजाला
हवा	-	वायु, पवन, अनिल
चाँद	-	चंद्रमा, शशि, विधु
आकाश	-	आसमान, नभ, गगन
प्रयास	-	चेष्टा, प्रयत्न, कोशिश

विलोम शब्द

अँधियारा	×	उजियारा
महान	×	नीच, क्षुद्र
दुष्परिणाम	×	सुपरिणाम
प्रकाश	×	अंधकार
सृष्टि	×	विनाश, प्रलय
एक	×	अनेक

अभ्यास

पाठ से प्रश्न

Comprehension based on Lesson

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
   (क) दीये को किस बात का अभिमान हुआ?
   (ख) सूर्य का प्रकाश हमें कब मिलता है?
   (ग) दीये ने चंद्रमा से अपनी तुलना किस प्रकार की?

2.
3.
4.
1.

(घ) दीये का सिर नीचा क्यों हो गया?

(ङ) इस कविता से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

2. **प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए।**

(क) रात में अंधकार का नाश कौन करता है?

(i) सूरज ◯ (ii) दीया ✓ (iii) सितारे ◯

(ख) चंद्रमा कहाँ का अँधियारा नहीं मिटा पाता?

(i) बाहर का ◯ (ii) अंदर का ✓ (iii) आसमान का ◯

(ग) नक्षत्रों का प्रकाश कौन नहीं बुझा सके?

(i) हवा ◯ (ii) पानी ◯ (iii) आँधी-तूफ़ान ✓

(घ) दीये के बुझने के बाद उसके मस्तक पर कैसी रेखा खिंच गई?

(i) दुख की ◯ (ii) कलंक की ◯ (iii) धुएँ की ✓

(ङ) संसार में किसका दुष्परिणाम होता है?

(i) सम्मान का ◯ (ii) स्वाभिमान का ◯ (iii) अहंकार का ✓

3. **सही कथनों के आगे सही (✓) का तथा गलत कथनों के आगे गलत (×) का निशान लगाइए।**

(क) सूर्य और चंद्रमा को अपनी महानता का अहंकार हो गया। ×

(ख) हवा के हलके-से झोंके से ही दीया बुझ गया। ✓

(ग) आँधी-तूफ़ान भी नक्षत्रों का प्रकाश नहीं बुझा सके। ✓

(घ) दीपक के मस्तक पर सम्मान का तिलक लगाया गया। ×

(ङ) अहंकार का सदा बुरा परिणाम होता है। ✓

4. **निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ स्पष्ट कीजिए।**

(क) सोचो, क्या आँधी-तूफ़ानों के भी सतत प्रयास।
बुझा सके रवि-शशि-नक्षत्रों का हैं कभी प्रकाश।

(ख) अहंकार का सदा जगत में, होता दुष्परिणाम।
करो बिना अभिमान तुम्हें जो कुछ करना हो काम।

शब्द-कौशल

Vocabulary

1. **दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।**

अँधियारा	×	उजेयारा
सृष्टि	×	प्रलय
दुष्परिणाम	×	सुपरिणाम
महान	×	तुच्छ
प्रकाश	×	अंधकार
एक	×	अनेक

Rajshree
PAGE NO.:
DATE:

पाठ 5
दीये का अभिमान

प्रश्न 1 अभिमान किसे हो गया था?

उत्तर अभिमान दीये को हो गया था

प्रश्न 2 दीये का सिर नीचा कैसे हुआ?

उत्तर हवा के हल्के झोंके से जब दीया बुझ गया, तो उसका सिर नीचा हो गया।

प्रश्न 3 अंहकार का सदा कैसा परिणाम होता है?

उत्तर अंहकार का सदा बुरा परिणाम होता है।

प्रश्न 4 दीये को किस बात का अभिमान हुआ?

उत्तर दीये को यह अभिमान हुआ कि वह सूरज और चाँद से भी श्रेष्ठ है।

प्रश्न 5 सूर्य का प्रकाश हमें कब मिलता है?

उत्तर सूर्य का प्रकाश हमें दिन में मिलता है।

प्रश्न 6 दीये ने चंद्रमा से अपनी तुलना किस प्रकार की?

उत्तर दीये के अनुसार रात में घर के अंधकार को चन्द्रमा दूर नहीं कर पाता वह उसे ही करना पड़ता है।

(P.T.O)

PAGE NO.:
DATE:

प्रश्न 7 दीये का सिर नीचा क्यों हो गया ?

उत्तर जब एक हवा के झोके ने दीये को बुझा दिया तो उसका सिर नीचा हो गया।

प्रश्न 8 इस कविता से हमें आपको ~~क्या~~ क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी घमंड नही करना चाहिए।